[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1586 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 213501

Name of the Course : **B.A. (Hons.) SANSKRIT**

Name of the Paper : Vaidika Vāṅmaya (Paper XVI)

Semester : V

Dutation : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से **एक-एक** मन्त्र की व्याख्या कीजिए : (8×2=16)

Explain **one** Mantra from **each** section :

खण्ड क

(अ) आ पप्रौ पार्थिवं रजो बद्बधे रोचना दिवि।

न त्वावाँ इन्द्र कश्चन न जातो न जनिष्यतेऽति विश्वं ववक्षिथ ।।

(आ) उषः प्रतीची भुवनानि विश्वोर्ध्वा तिष्ठस्यमृतस्य केतुः।

समानमर्थं चरणीयमाना चक्रमिव नव्यस्या ववृत्स्व ।।

P.T.O.

खण्ड ख

(अ) सुषारथिरश्वानिव यन्मनुष्यान्नेनीयतेऽभीशुभिर्वाजिन इव ।

हृत्प्रतिष्ठं यदजिरं जविष्ठं तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ।।

(आ) यामश्विनावमिमातां विष्णुर्यस्यां विचक्रमे ।

इन्द्रो यां चक्र आत्मनेऽनमित्रां शचीपतिः ।

सा नो भूमिर्वि सृजतां माता पुत्राय मे पयः ।।

2. निम्नलिखित मन्त्र की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain the following mantra in **Sanskrit** :

अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भवतु संमनाः ।

जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शन्तिवाम् ।।

अथवा

यो नो द्वेषत्पृथिवि यः पृतन्याद्योऽभिदासान्मनसा यो वधेन ।

तं नो भूमे रन्धय पूर्वकृत्वरि ।।

3. (अ) अक्षसूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिये ।

Delineate social value of Akṣasūkta.

अथवा

(आ) हिरण्यगर्भसूक्त के अनुसार सृष्टि-प्रक्रिया का वर्णन कीजिये । (10)

Describe cosmology according to Hiraṇyagarbhasūkta.

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write a note on any **two** of the following : (10)

(क) तुमर्थक प्रत्यय

(ख) क्त्वार्थक प्रत्यय

(ग) वैदिक स्वरित

5. प्रश्न संख्या 1 के (क) भाग के किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिये। (6)

Render into Padapāṭha any **one** of the Mantras from section 1 of question No. 1.

6. निम्नलिखित प्रत्येक खण्ड से **एक** मन्त्र लेकर कुल **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिये। (8×2=16)

Explain any **two** Mantras choosing **one** from each section.

खण्ड – I

Section – I

(अ) श्वोभावा मर्त्यस्य यदन्तकैतत्
सर्वेन्द्रियाणां जरयन्ति तेजः।
अपि सर्वं जीवितमल्पमेव
तवैव वाहास्तव नृत्यगीते ॥

(आ) नाविरतो दुश्चरितान्नाशान्तो नासमाहितः।
नाशान्तमानसो वापि प्रज्ञानेनैनमाप्नुयात् ॥

खण्ड – II

Section – II

(अ) सूर्यो यथा सर्वलोकस्य चक्षु-
र्न लिप्यते चाक्षुषैर्बाह्यदोषैः।
एकस्तथा सर्वभूतान्तरात्मा
न लिप्यते लोकदुःखेन बाह्यः ॥

P.T.O.

(आ) पराञ्चि खानि व्यतृणत् स्वयंभू-
स्तस्मात्पराङ् पश्यति नान्तरात्मन् ।
कश्चिद्धीरः प्रत्यगात्मानमैक्ष-
दावृत्तचक्षुरमृतत्वमिच्छन् ।।

7. नचिकेता द्वारा माँगे गये तीन वरों को निरूपित कीजिये । (10)

Describe three boons asked by Naciketas.

अथवा / OR

कठोपनिषद् के आधार पर आत्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिये ।

Describe the nature of Ātman as depicted in the Kaţhopanişad.